

फेंका जा सकता है 2. उक्त उपकरण के छेदों से निकलने वाली पानी/द्रव की धार 3. ला.अ. किसी वस्तु में से जोर से निकलने वाली धार (रक्तादि की) 4. चिकित्सकों का एक उपकरण जिसमें खोखली सुई लगी होती है, जिसके माध्यम से उपकरण में भरे द्रव/दवा को इच्छानुसार किसी नस या मांसपेशी में पहुँचाया जाता है।

पिचकिया स्त्री. (देश.) गुड़िया नामक पकवान का एक विशेष प्रकार जिसे गुड़ और सोंठ भरकर तैयार किया जाता है।

पिच-पिच स्त्री. (अनु.) 1. कीचड़ आदि में धँसने की ध्वनि 2. चिप-चिप की ध्वनि 3. हाथ आदि के चिपकने और छूटने की ध्वनि।

पिच-पिचा वि. (देश.) 1. चिपचिपा 2. चपदार 3. चिकना, तेलिय 4. जो सरलता से पिचक जाता हो, पिचकता रहने वाला 5. दब सकने वाला, बहुत कोमल।

पिचपिचाना अ.क्रि. (देश.) 1. पिच-पिच करना 2. किसी छेद में से किसी द्रव का पिच-पिच करते हुए बाहर निकलना 3. घाव का रिसना 4. चिपचिपा होना, लसदार होना।

पिचपिचाहट स्त्री. (देश.) चिपचिपा/लसदार होने का भाव अथवा स्थिति।

पिचु पुं. (तत्.) 1. रुई 2. एक पुरानी तौल, टि. दो तोले या एक कर्ण को पिचु कहा जाता था।

पिचैत पुं. (देश.) पहलवान।

पिच्च स्त्री. (देश. अनु.) 1. किसी चीज के दबने या पिचकने से उत्पन्न ध्वनि 2. मुँह में पान आदि दबाकर थूकने की ध्वनि।

पिच्चित वि. (देश.) पिचका हुआ।

पिच्ची वि. (देश.) 1. पच्ची, खपाने की क्रिया या भाव जैसे- बेकार माथा-पिच्ची कर रहे हो 2. पिचका हुआ।

पिच्छ पुं. (तत्.) 1. पशुओं की दुम या पूँछ जिस पर बाल हों, लांगूल 2. मोर की दुम या पूँछ 3.

मोर की चोटी 4. पक्षियों के शरीर को ढकने वाली संरचना विशेष, पक्षियों के पर 5. बाण में लगाया जाने वाला मोर आदि का पंख।

पिच्छक पुं. (तत्.) 1. पूँछ 2. पूँछ पर का पंख 3. सेमल का गोंद।

पिच्छबाण पुं. (तत्.) बाज पक्षी।

पिच्छल वि. (तत्.) जिस पर पैर फिसलता हो, फिसलन भरा, चिकना **वि.** (देश.) 1. पछला 2. जो पीछे रह गया हो।

पिच्छिका स्त्री. (तत्.) 1. चँवर, चामर, मोरछत्र 2. जैन साधुओं द्वारा प्रयुक्त ऊन से बना चँवर।

पिच्छिल वि. (तत्.) 1. सरस और स्निग्ध, गीला और चिकना 2. फिसलन भरा 3. पक्षी जिसके सिर पर चोटी हो 4. वैद्यक में खट्टा, कोमल फूला हुआ कफकारी पदार्थ।

पिछड़ना अ.क्रि. (देश.) 1. पीछे रह जाना 2. हार जाना।

पिछड़ा वि. (देश.) 1. जो पिछड़ गया हो 2. जो विकास क्रम में पीछे रह गया हो, अविकसित।

पिछड़ापन पुं. (देश.) किसी व्यक्ति, समूह अथवा जाति का सांस्कृतिक, शैक्षिक अथवा आर्थिक दृष्टि से दूसरों की अपेक्षा पीछे रह जाना।

पिछड़ा वर्ग पुं. (देश.+तत्.) सांस्कृतिक, शैक्षिक, सामाजिक अथवा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े लोगों का समूह।

पिछड़ी स्त्री. (देश.) 1. जो पिछड़ गई हो 2. जो विकास क्रम में पीछे रह गई हो जैसे- पिछड़ी जाति।

पिछलगा वि. (देश.) [हि. पीछे+लगना] 1. दीन भाव से स्वार्थसिद्धि के लिए किसी के पीछे लगा रहने वाला 2. किसी का अनुसरण करने वाला अनुवर्ती, अनुगामी 3. आश्रित पुं. (देश.) नौकर, दास, सेवक।

पिछलगी स्त्री. (देश.) 1. पिछलगा होने की अवस्था या भाव 2. अनुगमन, अनुसरण, अनुवर्तन।